नागरिकशास्त्र

(संसदीय शासन प्रणाली)

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ क्रमांक
१.	संसदीय शासन प्रणाली का परिचय	६८
२.	भारत की संसद	७१
३.	केंद्रीय कार्यकारी मंडल	७५
४.	भारत की न्यायपालिका	७९
५.	राज्य सरकार	८३
६.	नौकरशाही	८६

अध्ययन निष्पत्ति

उप ेनज्ञ शैन न ा

/ को जोड़ी से / गुटों न का अवसर करना और उसे नमम के नए रत करना ।

- संविधान, संसद, न्यायसंस्था, पार्श्वीकरण (marginalisation) जैसी संकल्पनाओं पर आधारित चर्चा में सहभागी होना ।
- भारतीय संविधान का महत्त्व, उद्‌देशिका, संसदीय शासन प्रणाली, सत्ता का विभाजन, संघराज्यवाद पर रेखाचित्र और चित्रों के साथ भित्तिपत्र बनाना और लिखित/मौखिक रूप में उनका प्रस्तुतीकरण करना ।
- कक्षा/विद्‌यालय/घर/समाज में स्वतंत्रता, समता, बंधुता इन तत्त्वों का किस प्रकार उपयोग किया जाता है, इसपर विचार-विमर्श करना ।
- राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेश के लोकसभा चुनाव क्षेत्र के मानचित्र का निरीक्षण करना ।
- बालसंसद और अभिरूप आचार संहिता के साथ अभिरूप चुनाव का आयोजन करना ।
- अपने क्षेत्र के/नजदीकी पंजीकृत मतदाताओं की सूची तैयार करना ।
- अपने क्षेत्र में मतदान का महत्व इस विषय पर जागृति अभियान का आयोजन करना ।
- अपने निर्वाचन क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्‌वारा चलाए जा रहे सार्वजनिक कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करना ।
- प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) के लिखित अंश की जाँच-पड़ताल करना ।
- दावेदार के साथ जो न्याय होता है उसमें न्यायाधीशों की भूमिका को लेकर विस्तृत और विश्लेषणात्मक लेखन के माध्यम से स्वमत अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करना ।
- विशेषतः स्त्रियाँ, अनुसूचित जाति और जनजाति, घुमंतू जनजातियाँ, धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यक, दिव्यांग, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे, अन्य उपेक्षित वर्ग के मानवी अधिकारों का हनन, संरक्षण और प्रचार पर गुटचर्चा का आयोजन करना ।
- बालमजदूर, बच्चों के अधिकार और भारत की फौजदारी न्याय व्यवस्था पर भूमिका का पालन करना ।
- सार्वजनिक सुविधाएँ और जल, स्वास्थ्य, बिजली की उपलब्धता में विषमता जैसे विषयों पर सह-अध्यायियों के साथ अपने अनुभवों को आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करना ।
- सार्वजनिक सुविधाओं की पूर्ति करने के लिए सरकार किस प्रकार उत्तरदायी होती है, इसपर विचार-विमर्श का आयोजन करना ।

न नाष ् त

08.73H.14 भारत के संविधान के संदर्भ में अपने क्षेत्र की सामाजिक और राजनीतिक समस्याओं का अन्वयार्थ लगाते हैं ।

08.73H.15 राज्य सरकार और केंद्र शासन के बीच का अंतर स्पष्ट करते हैं ।

08.73H.16 लोकसभा की चुनाव प्रक्रिया का वर्णन करते हैं ।

08.73H.17 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के लोकसभा के निर्वाचन क्षेत्र के मानचित्र में अपने निर्वाचन क्षेत्र का स्थान निश्चित करके स्थानीय जनप्रतिनिधियों के नाम लिखते हैं ।

08.73H.18 विधि निर्माण प्रक्रिया का वर्णन करते हैं । (उदा. घरेलू हिंसा से रक्षा करने वाला कानून, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार आदि ।)

08.73H.19 कुछ महत्वपूर्ण न्यायालयीन फैसले बताकर उनके आधार पर न्यायालयीन व्यवस्था का कार्य स्पष्ट करते हैं ।

08.73H.20 प्रथम सूचना रिपोर्ट कैसे दर्ज की जाती है, उसका प्रत्यक्षीकरण दिखाते हैं ।

08.73H.21 अपने प्रदेश के दुर्बल समाज वर्गों को दायरे से बाहर क्यों रहना पड़ता है, उन कारणों और परिणामों का विश्लेषण करते हैं ।

08.73H.22 जल, सार्वजनिक स्वच्छता, सड़क, बिजली आदि सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति में सरकार की भूमिका को जानते हैं और इन सेवाओं की उपलब्धता की ओर ध्यान आकृष्ट करते हैं ।

08.73H.23 महाराष्ट्र की शासन व्यवस्था का स्वरूप स्पष्ट करते हैं ।